आज का पुरुषार्थ 1 August 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" चले सम्पूर्णता की ओर .. अब से मन के सभी बोझ बापदादा को सौंप कर निश्चिंत जीवन ... तब ही बहुत काल के बेफ़िक्र बादशाह कहलायेंगे "*

संगमयुग का श्रेष्ठ अवसर .. स्वयं भगवान हमें साथ दे रहा है। उन्होंने कह दिया है .. " ***बच्चे, मन के सारे बोझ मुझे देकर तुम हल्के हो जाओ***"

और एक बहुत ही सुन्दर **बात** कह दी .. " *जो बाप सारे संसार का बोझ उठाता है, क्या वह अपने बच्चों का बोझ नहीं उठायेंगे!*"

विश्वास करे अपने प्यारे पिता की शक्तियों पर, उनके वचनों पर। और सच्चे मन से अपने मन के बोझ उन्हें अर्पित करने लगे "

समर्पणता में यह भी एक सुन्दर तरीका है कि .. मन की सारी **टेन्शन**, मन के सारे **बोझ**, जीवन की सारी समस्यायें उनके हवाले करके निश्चिंत होकर जीवन जीयें।

यह रहस्य है। कई लोग क्या करते है कि .. जीवन की सारी समस्यायें बाबा को तो दे देते है, लेकिन चिन्तायें खुद करते रहते है। बोझ तो अर्पित कर देते है लेकिन मन फिर भी भारी रहता है।

तो ऐसे में समस्यायें समाप्त नहीं होंगी। क्योंकि रहस्य यह है कि .. जब हम मन के बोझ और चिन्तायें बाबा को अर्पित करके हल्के हो जाये, निश्चिंत हो जाये तब ही **बाबा की शक्तियाँ और उनकी प्रेरणाओं** को हम कैच कर सकेंगे।

और तब ही हमारा जीवन **निश्चिंत** हो सकेगा। समस्याओं से मुक्त हो सकेगा। अगर चिन्ताओं में हम पुनः ग्रस्त है तो बाबा की प्रेरणायें हम तक पहुचेगी ही नहीं। तो हल भी नहीं प्राप्त होगा।

इसलिए बाबा की इस बात को मान ले के .. " *बच्चे, अपने फ़िक्र सारे मुझे देकर तुम बेफ़िक्र बादशाह बन जाओ। फ़िक्र मुझे देकर फ़खुर ले लो।* "

और सबसे बड़ा फ़खुर यही है .. " कौन मिला है! किसने साथ देने का वचन दिया है! कौन हमारी समस्याओं को हर रहा है! कौन हमारी सिर पर आकर **छत्रछाया** बन गया है! कौन हमें हाथ पकड़के चला रहा है! कौन राह दिखा रहा है! "

यह सुन्दर अनुभूति करते हुए **बेफ़िक्र बादशाह** बन जाये। यहाँ के बेफ़िक्र बादशाह ही जन्म जन्म के बादशाह बनेंगे।

क्योंकि जो निश्चिंत है, जो बेफ़िक्र है वही बहुत शक्तिशाली है। जो चिन्तित है, जो भयभीत है, जो परेशान है वह तो मन से बहुत कमज़ोर है।

इसलिए शायद आप सोचते हो हमें भविष्य के लिए कुछ भी नहीं चाहिए, हमें तो वर्तमान जीवन का आनन्द ही चाहिए .. तो उसके लिए भी अपने को बेफ़िक्र **बादशाह** बनाना परम आवश्यक है।

तो आइये हम ड्रामा के ज्ञान को याद करते हुए स्वयं को बहुत हल्का कर दे। बहुत हल्का ... । जैसे की ..

" बाबा का हाथ पकड़कर, सर्वशक्तिमान को साथी बनाकर हम जंगल के राजा शेर की तरह इस कांटो के जंगल, कलयुगी संसार में विचरण कर रहे है "

यह बहुत सुन्दर स्थिति होगी।

... तो सारा दिन आज हम यह याद रखेंगे के ...

" मैं बेफ़िक्र बादशाह हूँ "

और कोई भी मन पर बोझ हो तो, एकबार में यदि आप निश्चिंत नहीं हो पाते तो बार-बार ऐसा अभ्यास करे कि ...

बापदादा सामने है .. और हम अपने बोझ की गठरी बँधकर बाबा को दे रहे है ...

' **लो बाबा** '

और उधर से बाबा कहना रहे ...

' बच्चे, मैंने तुम्हारे बोझ ले लिए .. अब तुम निश्चिंत हो जाओ .. मैं आपेही उचित समय पर इन सबको ठीक कर दूंगा '

यह अभ्यास हम बार-बार करेंगे। और साथ-साथ बहुत प्रैक्टिस करेंगे इस गुड feeling के साथ कि ..

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. मैं बहुत शक्तिशाली हूँ .. मेरे साथ स्वयं भगवान है "

इसलिए यदि मैं ही निश्चिंत नहीं हूंगा तो भला संसार में और कौन होगा ! "

ऐसे अनुभव से सारा दिन आज आनन्द में बितायेंगे ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org